दैनिक भास्कर
बिलासपुर 22-07-2025

बदहवास पैरेंट्स पूछते रहे, कहां हैं हमारे बच्चे: हादसे के वक्त स्कूल में लगभग 800 बच्चे थे। जेट का मुख्य भाग चौथी और पांचवीं क्लास पर क्रैश हुआ। हादसे की जानकारी मिलते ही बदहवास पैरेंट्स स्कूल पहुंचने शुरू हो गए। पैरेंट्स स्कूल वालों और बचावकर्मियों से पूछ रहे थे कि हमारे बच्चे कहां हैं। स्कूल में अफरातफरी का माहौल था।

प्रदेश में नदियों की ...

वहीं, अरपा अर्पण महाअभियान समिति की जनहित याचिका में आरोप लगाया गया कि सरकार की पाबंदी के बावजूद नदी में खुलेआम अवैध रेत खनन हो रहा है। याचिका में यह भी बताया गया कि बारिश में खनन से बने गहरे गड्ढे में डूबकर तीन बालिकाओं की मौत हो चुकी है। कोर्ट ने इन पहलुओं पर गहरी चिंता जताई। इस मामले पर अगली सुनवाई सितंबर में होगी।

नदियों के उद्गम को नाला बताने पर कोर्ट नाराज : हाईकोर्ट ने राज्य शासन के उन रिकॉर्ड पर भी सख्त नाराजगी जताई, जिनमें नदियों के उद्गम स्थलों को 'नाले' के रूप में दर्शाया गया है। कोर्ट ने कहा कि यह न केवल गलत है, बल्कि नदी के अस्तित्व का अपमान है और इसे तुरंत सुधारा जाना चाहिए।

अरपा उद्गम के सर्वे के लिए अब लायडर सर्वे का प्रस्ताव : सोमवार को यह भी बताया गया कि गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की कलेक्टर ने अरपा के उद्गम स्थल की पहचान के लिए लायडर सर्वे का प्रस्ताव भेजा था। इस पर करीब 2.6 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि ऐसे कार्यों के लिए भारीभरकम खर्च से बचते हुए व्यावहारिक और स्थानीय समाधान निकाले जाने चाहिए।